>

Title: Need to ensure effective implementation of various schemes meant for upliftment of Pahari Korba people in Chhattisgarh.

डॉ. चरण दास महन्त (कोरबा): पहाड़ी कोरवा एक आदिम आदिवासी समुदाय है। छत्तीसगढ़ में पहाड़ी कोरवा एवं बिरहोर विकास अभिकरण ने गठन पश्चात् अब अपने 30 वर्षों का कार्यकाल पूरा कर लिया है। यह अभिकरण बिलासपुर, सरगुजा एवं रायगढ़, जशपुर जिला में 1996 से संचालित हो रहा है। एक सर्वेक्षण के अनुसार अंचल के कुल 27109 पहाड़ी कोरवा परिवारों में से रायगढ-जशपुर विकास अभिकरण अंतर्गत मात्र 2469 परिवार ही निवासरत हैं एवं जिनकी कुल जनसंख्या 10852 है। ये जशपुर जिले के बगीचा व मनोहर विकासखंड के 88 ग्रामों में निवासरत हैं। बगीचा विकासखंड का कामारिमा गांव पहाड़ी कोरवाओं का सबसे बड़ा ग्राम माना जाता है। जहां 195 परिवारों के 793 लोग निवास करते हैं। इनके विकास एवं पुनरीक्षण के उद्देश्य से अभिकरण की स्थापना करने के पश्चात अभिकरण द्वारा ढेरों योजनाएं चलाई गई, किंतु उनकी पारम्परिक जीवन शैली के विपरीत सारी योजनाएं अपने लक्ष्य की पूर्ति में असफल सिद्ध होती प्रतीत हो रही हैं। विकास के संदर्भ में जशपुर परियोजना के अंतर्गत पहाड़ी कोरवाओं को आज भी तन ढकने के लिए कपड़े भी नसीब नहीं होते, खाने के लिए रोटी के दो टुकड़े भी नसीब नहीं होते। अब तक करोड़ों रूपये खर्च करने के बाद भी इनके जीवनस्तर पर कोई सुधार नहीं आया। अतः केन्द्र शासन, पहाड़ी कोरवा के जीवन सुधारने में समुचित पहल करे।